मध्य प्रदेश में 43 बाघों की मौत

चर्चा में क्यों

वर्ष 2021 से वर्ष 2023 के बीच **43 बाघों** की मौत की जाँच की गई, जिसमें [बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व](https://www.drishtiias.com/hindi/) में **34 और शहडोल वन सर्कल में 9 बाघों की मौत** हुई।

मुख्य बिंदु:

- **विशेष जाँच दल (Special Investigation Team- SIT) की रिपोर्ट:** स्टेट **टाइगर स्ट्राइक फोर्स** के प्रभारी की अध्यक्षता में गठित SIT ने 15 जुलाई को कार्यवाहक प्रधान मुख्य वन संरक्षक (Principal Chief Conservator of Forests- PCCF) और प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख (Principal Chief Conservator of Forest & Head of the Forest Force- PCCF-HoFF) को अपनी रिपोर्ट सौंप दी।
- **जाँच का अभाव:** रिपोर्ट में बाघों की मौत के कम-से-कम 10 मामलों में **अपर्याप्त जाँच,** उच्च अधिकारियों और वन रेंज अधिकारियों की उदासीनता तथा 34 में से 10 मामलों में शरीर के अंगों के गायब होने की बात कही गई है।
- **SIT का गठन: राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन** के आदेश पर बाघों की बड़ी संख्या में हुई मौतों की जाँच के लिये SIT का गठन किया गया था।

बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व (BTR)

- यह **मध्य प्रदेश के उमरिया ज़िले** में स्थित है और **विंध्य पहाड़ियों** पर फैला हुआ है।
- वर्ष 1968 में इसे **राष्ट्रीय उद्यान** के रूप में अधिसूचित किया गया तथा **वर्ष 1993** में पड़ोसी **पनपथा अभयारण्य** में **प्रोजेक्ट टाइगर नेटवर्क** के तहत इसे बाघ अभयारण्य घोषित किया गया।
- यह **रॉयल बंगाल टाइगरस** के लिये जाना जाता है। बांधवगढ़ में बाघों की आबादी का घनत्व भारत के साथ-साथ विश्व में भी सबसे ज़्यादा है।
  - ये धाराएँ फिर [सोन नदी](https://www.drishtiias.com/hindi/) (गंगा नदी की एक महत्त्वपूर्ण दक्षिणी सहायक नदी) में विलीन हो जाती हैं।
- महत्त्वपूर्ण शिकार प्रजातियों में **चीतल, सांभर, बार्किंग डियर, नीलगाय, चिंकारा, जंगली सुअर, चौसिंघा, लंगूर** और **रीसस मकाक** शामिल हैं।
  - **बाघ, [तेंदुआ](https://www.drishtiias.com/hindi/), जंगली कुत्ता, भेड़िया** और **सियार** जैसे प्रमुख शिकारी इन पर निर्भर हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/43-tiger-deaths-in-madhya-pradesh